A-0428

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DVK-104

ग्रह शान्ति एवं संस्कार विधान

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. नव ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन करें।

Q.2. शनि ग्रह शान्ति के विधान को प्रतिपादित कीजिए।

Q.3. मानव जीवन में संस्कारों की उपयोगिता व महत्व पर लेख लिखिये।

Q.4. स्मृति ग्रन्थों के आधार पर संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालिये।

Q.5. मूल शान्ति की हवन विधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. नवग्रहों में से किन्ही तीन ग्रहों का परिचय दीजिये।

Q.2. नामकरण संस्कार की विधि का वर्णन कीजिए।

Q.3. अन्नप्राशन के शुभाशुभ मुहूर्तों का वर्णन करें।

Q.4. सिंहस्थ गुरू में विवाह निषेध का वर्णन करें।

Q.5. जातकर्म में होने वाले मुख्य कर्मो का वर्णन कीजिए।

Q.6. दन्तजनन के दुष्प्रभाव एवं इसकी शान्ति विधि को प्रतिपादित कीजिए।

P.T.O.

Q.7. अक्षरारम्भ संस्कार में प्रशस्त वर्ष, मास, पक्ष, तिथियों का वर्णन कीजिए।

Q.8. उपनयन संस्कार में यज्ञोपवीत के महत्व को परिभाषित कीजिए।

****